दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू

सत्र 2022-23

अभ्यास कार्य पत्र-1

कक्षा - आठवीं विषय- हिंदी

प्र०1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़ते हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 5

संसार में शांति, व्यवस्था और सद्भावना के प्रसार के लिए बुद्ध, ईसा मसीह, मुहम्मद चैतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने धर्म के माध्यम से मनुष्य को परम कल्याण के पथ का निर्देश किया, किंतु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया। धर्म के नाम पर पृथ्वी पर जितना रक्तपात हुआ उतना और किसी कारण से नहीं। पर धीरे-धीरे मनुष्य अपनी शुभ बुधि से धर्म के कारण होने वाले अनर्थ को समझने लग गया है। भौगोलिक सीमा और धार्मिक विश्वासजनित भेदभाव अब धरती से मिटते जा रहे हैं। विज्ञान की प्रगति तथा संचार के साधनों में वृद्धि के कारण देशों की दूरियाँ कम हो गई हैं। इसके कारण मानव-मानव में घृणा, ईष्र्या वैमनस्य कटुता में कमी नहीं आई। मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है शिक्षा का व्यापक प्रसार।

1- **मनुष्य अधर्म के कारण होने वाले अनर्थ को कैसे समझने लगा है ?**
2- **विज्ञान की प्रगति और संचार के साधनों की वृद्धि का परिणाम क्या हुआ है ?**
3- **देश में आज भी कौन-सी समस्या है ?**
4- **किस कारण से देश में मानव के बीच, घृणा, ईष्र्या, वैमनस्यता एवं कटुता में कमी नहीं आई है?**
5- **मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है**

प्र०2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1.तंद्रालस लालसा क्या है? 1

2. युवा पीढ़ी किसका प्रतीक है? 1

3. ध्वनि कविता से हमें क्या संदेश मिलता है? 2

4. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? 2

प्र०3. आश्य स्पष्ट कीजिए- 2

1. अभी न होगा मेरा अंत
अभी अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत
अभी न होगा मेरा अंत

प्र०4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए - 5

1. जिज्ञासा
2. आलस्य
3. परोपकार
4. हरियाली
5. ऋतुराज

प्र०5. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार तथा अनुनासिक का प्रयोग कीजिए- 2

1. आगन
2. सचय
3. गाव
4. होठ

नोट – **अभ्यास कार्य पत्र** जमा कराने की अंतिम तिथि 13.05.22